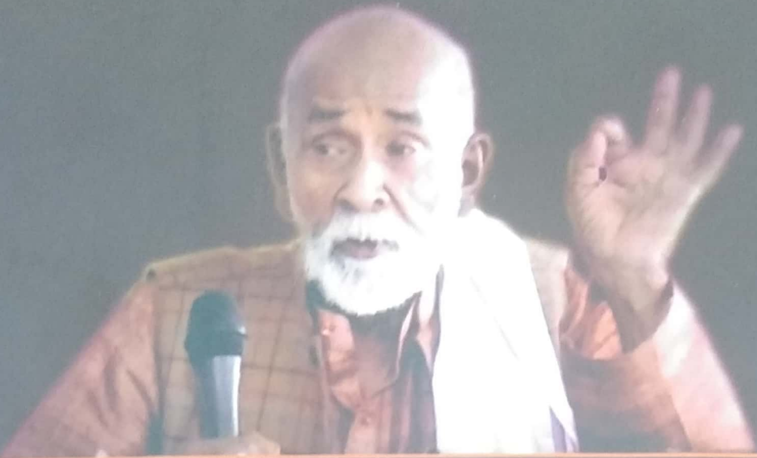

लोक और वेद के अभिनव आचार्य

पं.दुर्गाचरण शुक्ल

" लोके च वेदे च "

डॉ.सरोज गुप्ता
पं.अरूण शुक्ल

Scanned with OKEN Scanner

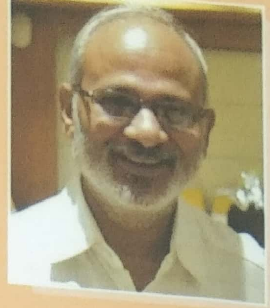

पं.अरुण कुमार शुक्ल

पं.अरुण कुमार शुक्ल
धर्मपत्नी - श्रीमती प्रतिभा शुक्ला
माताजी - श्रीमती क्रान्ति देवी
पिताजी - पं. दुर्गाचरण शुक्ल
पुत्र - डॉ. अक्षरादित्य शुक्ल
शिक्षा - स्नातकोत्तर संस्कृत (साहित्य) एवं वनस्पति शास्त्र

- पंचायत एवं समाजसेवा में निरीक्षक/ पर्यवेक्षक पर 20 वर्ष का अनुभव पश्चात् स्कूल शिक्षा में लगभग 2 वर्ष योग प्रशिक्षक पश्चात् 15 वर्ष उच्चतर माध्यमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं में शिक्षण। शासकीय सेवा से 2019 में सेवानिवृत्त (भोपाल)।
- 1984 के पूर्व बाल्मीकीय रामायण पर शोध कार्य।
- 1990 से 2000 के बीच कविता लेखन (संग्रह अप्रकाशित) आकाशवाणी छतरपुर से अनेक व्यंग्य वार्तायें युववाणी कार्यक्रम में प्रसारित।

अध्यात्मवाणी (हरिद्वार) पत्रिका में लगभग एक वर्ष तक आलेख प्रकाशित।

- प्रोफेसर डॉ सुशीलचंद पांडेय की पुस्तक अगस्त्य पर समीक्षा चर्चित।

संप्रति अगस्त्य संस्थानम भोपाल में संयुत्त सचिव की भूमिका में सहयोग के साथ विगत 8-9 वर्ष से पिता श्री आचार्य दुर्गा चरण शुक्ल के लेखन प्रकाशन में सहयोग।

•

204, जावरा कंपाउंड , इंदौर-452001
मोबाइल : 9425383111

Scanned with OKEN Scanner

लोक और वेद के अभिनव आचार्य

पं. दुर्गाचरण शुक्ल

डॉ. सरोज गुप्ता
पं. अरुण शुक्ल

Scanned with OKEN Scanner

लोक और वेद के अभिनव आचार्य

पं. दुर्गाचरण शुक्ल

(लोके च वेदे च)

शिव शक्ति गुरु अर्चन समिति

मार्गदर्शन

पं. गुणसागर सत्यार्थी,
कुण्डेश्वर, टीकमगढ

पं. प्रभुदयाल मिश्र,
भोपाल, (म.प्र.)

पं. हरिविष्णु अवस्थी,
टीकमगढ, (म.प्र.)

संरक्षक - डॉ. सरोज गुप्ता
अध्यक्ष - पं. अवनीश शुक्ल
उपाध्यक्ष -ब्रजेश सिंह राजावत
सचिव -पं. मनोज देवलिया
सहसचिव -पं. राजीव त्रिपाठी
कोषाध्यक्ष -पं. राहुल दीक्षित
संयोजक -पं. ओम प्रकाश तिवारी
व्यवस्थापक मंडल -श्रीमती माधुरी दुबे
-डॉ. कुसुम अवस्थी
रितेश दीक्षित
-कु. रितु तिवारी
-पं. राहुल तिवारी
- कु. सोनम तिवारी

संपादक

डॉ. सरोज गुप्ता,
अध्यक्ष हिन्दी विभाग
पं. दीनदयाल उपाध्याय शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
सागर (म.प्र.)

पं. अरुण शुक्ल,
रिटा. शिक्षक
स्कूल शिक्षा विभाग (म.प्र.)

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स
वी-508, गली नं.17, विजय पार्क,
दिल्ली-110053
मो. 08527460252, 09990236819
ईमेलः jtspublications@gmail.com

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स, दिल्ली

वैधानिक चेतावनी

पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन- फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक/ संपादक/ प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित शोध-पत्रों में निहित विचार तथा संदर्भों का संपूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है। संपादक/ प्रकाशक इसके लिए उत्तरदायी नहीं है।

लोक और वेद के अभिनव आचार्य पं. दुर्गाचरण शुक्ल

संपादक
डॉ. सरोज गुप्ता
पं. अरुण शुक्ल

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करण : २०२१
ISBN 978-93-90143-45-0

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
संतोषी कम्प्यूटर्स, दिल्ली

प्रकाशक
जे०टी०एस० पब्लिकेशन्स
वी-५०८, गली नं०१७, विजय पार्क, दिल्ली-११००५३
दूरभाष : ०८५२७ ४६०२५२, ९९९०२३६८१९
E-Mail : jtspublications@gmail.com

मूल्य : १०००.०० रूपये

आवरण : प्रतिभा शर्मा, दिल्ली

मुद्रक : तरूण ऑफसेट प्रिंटर्स, दिल्ली

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय – डॉ. सरोज गुप्ता 13

प्रथम खण्ड : अ- काव्यांजलि

- अभिनंदन-पत्र – श्री हरिविष्णु अवस्थी 29
- हे क्रांति प्रिय ! शत्-शत् नमन – श्री गुणसागर सत्यार्थी 30
- एक गम्भीर और अध्यात्म चिंतक – डॉ. दुर्गेश दीक्षित 31
- देवी के लाल – डॉ. कन्हैयालाल वर्मा 'बिन्दु' 34
- पं दुर्गाचरण शुक्ल को नमन – श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव 36
- गुरु पद वन्दन – पं. सुधाकर शर्मा 38
- ॐ श्री गुरवे नमः – श्री संजय पाण्डेय 39
- ऊँ नमः पूर्ण गुरुवै नमः – डॉ. सरोज गुप्ता 40

प्रथम खण्ड : ब- पाथेय

- पाथेय 49
- वेद तंत्र और तंत्रसार 52
- मंत्र व जप क्या है ? 57
- तंत्र और श्रीतंत्रालोक : आचार्य अभिनव गुप्त की दृष्टि में 59
- पराद्वैत शैव सिद्धांत आचार्य : अभिनव गुप्त की दृष्टि में 68
- यंत्र क्या है? 72
- प्रथम आह्निक 78
- द्वितीय आह्निक 80
- तृतीय आह्निक 82
- चतुर्थ आह्निक 84
- पंचम् आह्निक 86
- षष्ठम् आह्निक 93
- सप्तम् आह्निक 97
- प्रतिभा अद्वैत शैव दर्शन की दृष्टि में 103
- वीणा के अनसुने स्वर 112

द्वितीय खण्ड : अ-जीवन दर्शन

- आत्मकथन – पं. ओमप्रकाश तिवारी 123
- साक्षात्कार – डॉ. सरोज गुप्ता 129

Scanned with OKEN Scanner

द्वितीय खण्ड : ब-परिजनों की कलम से

- काव्यकुब्ज शुक्ल परिवार : कुल वंशावली – श्री अरुण शुक्ल 150
- अथ क्रांतिदुर्गाचरण चिंतन – पं. राकेश शुक्ल 152
- पुत्र का आसमान – श्री अरुण शुक्ल 155
- मेरी माँ – श्री अरुण शुक्ल 163
- काव्याशीष-संस्मरण – श्रीमती प्रतिभा शुक्ला 165
- मेरे पिताजी मेरे गुरुदेव – श्री इन्द्रकुमार शुक्ल 167
- ज्ञानवान पूजनीय पिताजी – श्रीमती अनुपमा शुक्ला 174
- पिताजी के व्यक्तित्व के तीन आयाम – श्री रवि शंकर शुक्ल 177
- ममतामयी माँ – श्री रवि शंकर शुक्ल 181
- पितृस्नेह सागर: पूजनीय पिताजी – श्रीमती रत्ना शुक्ला 187
- अमरुद का पेड़ – डॉ. अक्षरादित्य शुक्ल 188
- संस्मरण – डॉ. कामना शुक्ला 191
- बाबा हमारे कूल-कूल – डॉ. गौरी शुक्ल 192
- मेरे चाचाजी – डॉ. जया शुक्ला 194
- मेरे बाबा मेरी शान – श्री अनिंद्य सोम शुक्ल 196
- मार्गदर्शक चाचाजी – श्रीमती शीला तिवारी 201
- करुणा की साक्षात् प्रतिमूर्ति मेरे मौसा जी – श्रीमती रागिनी अवस्थी 202

तृतीय खण्ड : आदरांजलि

- आचार्य दुर्गाचरणजी शुक्ल के अभिनंदन समारोह पर समर्पित प्रशस्ति-पत्र –आर. आर. अवस्थी 205
- संस्कृत और हिन्दी के उद्‌भट विद्वान : आचार्य पं. दुर्गाचरण शुक्ल –श्री उदयशंकर दुबे 206
- पदवाक्य-प्रमाणज्ञ, शब्दब्रह्मविद् : आचार्य पं. दुर्गाचरण शुक्ल (सारस्वत जगत के विभूति पुरुष) –प्रो. रविशंकर दीक्षित 209
- मैं कवि नहीं हूँ – आचार्य पं. दुर्गाचरण शुक्ल 213
- आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल एक कवि भी हैं –डॉ. रामनारायण शर्मा 215
- फूले फले हौ पलैयन पलाश –डॉ. सुशीला शर्मा 217
- दोहन के साथ जिन्हें सतत् पेरता रहा –श्री गुणसागर सत्यार्थी 219
- मेरे मित्र अग्रजतुल्य : पं दुर्गाचरण शुक्ल –श्री हरिविष्णु अवस्थी 223

Scanned with OKEN Scanner

- आश्रमी संत आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल –डॉ. गंगाप्रसाद बरसैंया 226
- वेद के प्रखर अध्येता : आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल –डॉ. जवाहरलाल द्विवेदी 231
- शांत एकांत शब्द ऋषि : आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल –डॉ. लखन लाल खरे 232
- आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल एक बहुआयामी व्यक्तित्व –डॉ. वीरेन्द्र बहादुर खरे 235
- आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल : संस्मरण –डॉ. अवधेश त्रिपाठी 238
- आचार्य जी विलक्षण व्यक्तित्व –श्री अजीत श्रीवास्तव 241
- सदा मुदित और उत्साही : आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल –श्री अभिनन्दन गोइल 244
- एक प्रेरणा पुरुषः दुर्गाचरण शुक्ल –श्री कपिलदेव तैलंग 246
- आचार्य श्री : मेरे वातायन से –डॉ. नरेंद्र मोहन अवस्थी 250
- समय के आइने में शिखर पुरुष आचार्य श्री दुर्गाचरण जी शुक्ल –श्री राजेन्द्र अध्वर्यु 253
- गुरु की खोज –श्री अवनीश शुक्ल 259
- गुरुदेव –श्रीमती गरिमा अवनीश शुक्ला 263
- बुंदेली माटी के वरदपुत्र –श्री कौशल किशोर भट्ट 266
- श्री गुरुचरण सरोजरज –डॉ. बृजेश चंद्र सिंह 269
- गुरुदेव आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल –पं ओमप्रकाश तिवारी 273
- गुरवत् मित्र आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल –श्री नारायण दास सोनी 276
- सरल व सहज व्यक्तित्व के धनी : आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल –श्री राजेश सिंह राजावत 280
- अखण्ड मण्डलाकारं –श्रीमती रश्मि मिश्रा 283
- संस्मरण –श्री ब्रजेश सिंह राजावत 285
- संस्मरण गुरुदेव –श्री के बी दीक्षित 288
- संकट मोचन –श्री आर के पुरोहित 290
- श्रेष्ठ वक्ता, शोधकर्ता और समीक्षक –श्री जफर उल्ला खाँ 295
- वन्दऊ गुरु पद पदुम परागा –श्री राहुल दीक्षित 296
- साधना में प्रवेश –श्रीमती माधुरी दुबे 298
- परमगुरु की सरलता –श्री सौरभ मिश्र 300
- संस्मरण –ऋतु, राहुल, सोनम तिवारी 303
- संस्मरण –श्री दुर्गेश कुमार शुक्ल 304

Scanned with OKEN Scanner

- आचार्य पं श्री दुर्गाचरण शुक्ल एक बहुआयामी व्यक्तित्व –श्री जे. पी. एन. पाण्डेय 305
- संस्मरण –अनूप मिश्रा 307
- आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल का प्रेरक बहुआयामी व्यक्तित्व –डॉ. अवधेश कुमार 309
-

चतुर्थ खण्ड : अ-रचना पक्ष

- आचार्य शुक्ल के कृतित्व के चार आयाम –श्री प्रभुदयाल मिश्र 313
- आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल की साहित्य साधना –डॉ. लखनलाल खरे 326
-

चतुर्थ खण्ड : ब-पुस्तक प्रसंग

1. बुन्देली : एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन –पं दुर्गाचरण शुक्ल एवं कैलाश बिहारी द्विवेदी 337
- प्रकाशकीय –डॉ. गंगाप्रसाद बरसैंया 338
- औनामासी धम्म –पं दुर्गाचरण शुक्ल 340

2. बुन्देली व्युत्पत्ति कोश
- बुन्देली शब्दों का व्युत्पत्ति कोश एक अभिनव पहल –आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल 346
- समीक्षा -बुन्देली व्युत्पत्ति कोश –डॉ रामनारायण शर्मा 347
- बुन्देली भाषा का लालित्य एवं शब्द सम्पदा –श्री कपिल देव तैलंग 352
- बुन्देली शब्दों का व्युत्पत्ति कोश एक अमरकृति –श्री संतोष कुमार पटैरिया 357

3. महर्षिअगस्त्य दृष्ट ऋग्वेद मंत्र भाष्य –पं. दुर्गाचरण शुक्ल 363
- मंगलाशंसीयम –प्रो. रूपकिशोर शास्त्री 363

4. ऋषि हयग्रीवकृत 'शाक्त दर्शनम' एवं अगस्त्यकृत 'शक्ति सूत्रम' –पं दुर्गाचरण शुक्ल 365
- पूर्वपाठिका –आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल 365
- शिवत्व प्राप्ति स्रोत : शाक्त दर्शनम् एवं शक्ति सूत्रम् –डॉ. सरोज गुप्ता 382

5. ब्रह्मवादिनी - दृष्ट मन्त्र भाष्य एवं अवदान –पं. दुर्गाचरण शुक्ल 385
- आमुख –पं. दुर्गाचरण शुक्ल 385

Scanned with OKEN Scanner

6. मदन रस बरसै-(बुन्देली ललित निबंध) –पं. दुर्गाचरणशुक्ल 407
• प्राक्कथन –श्री अशोक मिश्र 407
• दो शब्द –डॉ. गंगाप्रसाद बरसैंया 408
• मोरी बात –डॉ. बहादुर सिंह परमार 411
• मदन रस बरसै –समीक्षा –श्री एन. डी. सोनी 416
• आचार्य शुक्ल जी का साहित्य ऐसा कि मदन रस बरसै –श्री राजीव नामदेव लिधौरी 420
• बुन्देली ललित निबंधकार आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल –डॉ. दुर्गेश दीक्षित 425
• समीक्षा –डॉ. इला शुक्ला 432
7. महादेव –आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल 434
• भूमिका –डॉ. नागेश दुबे 434
• पूर्व पीठिका –आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल 438
• समीक्षा –डॉ. सरोज गुप्ता 444
• प्रकाशनाधीन पुस्तक चतुर्दश विद्यायें और चौसठ कलायें : अन्तर्सम्बन्ध 449

पंचम खण्ड : आगम निगम, अध्यात्म, धर्म, दर्शन

• अथ श्री अभिनवगुप्तचरित –डॉ. राधाबल्लभ त्रिपाठी 453
• श्री पीताम्बरापीठ स्वामी जी महाराज के साहित्य की प्रासंगिकता –डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्त 473
• एक व्यक्ति के तीन जन्म –श्री कन्हैयालाल शर्मा, कलश 480
• बुन्देलखण्ड में लिखा गया अप्रकाशित रामकथा साहित्य –श्री उदयशंकर दुबे 483
• ऋग्वैदिक स्त्री और ऋषिकाओं के दृष्टा प्रसंग पर आचार्य शुक्ल मंत्र भाष्य –डॉ प्रेम भारती 486
• ओरछा राज्य के गौरव महाराजा देवेन्द्र सिंह जूदेव –श्री प्रभु दयाल मिश्र 490
• ओरछौ वृन्दावन सौ गाँव –डॉ. जवाहरलाल द्विवेदी 495
• पौराणिक तीर्थ क्षेत्र सनकुँआ –डॉ.श्यामबिहारी श्रीवास्तव 498
• अद्वैत वेदांत दर्शन में शक्ति तत्व एक विवेचन –डॉ. सरोज गुप्ता 508

Scanned with OKEN Scanner

- बुन्देलखण्ड के ज्ञानाश्रयी संत अक्षर अनन्य —डॉ. महेंद्र अग्रवाल 513
- जब लंकापुरी देवपुरी बन गयी —पं कपिल देव तैलंग 519
- बुन्देली संस्कृति के विविध आयाम : एक पर्यवलोकन —पं कपिल देव तैलंग 525
- अष्टावक्र गीता वेदांत की विशुद्ध धारा —श्री अभिनन्दन गोइल 533
- प्राचीनतम तपस्थली स्वयंभू कुण्डेश्वर —श्री ओमप्रकाश तिवारी 538
- सं जास्पत्यं सुयमम् आ कृणश्व —पं बाबूलाल द्विवेदी 546

षष्ठम् खण्ड : बानगी - आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल

- लोकदेवी बीजासेन की पूजा का रहस्य 553
- बुन्देली अनुष्ठान चरुआ 560
- बालिकाओं का खेल चपेटा 565
- यज्ञ : वेद की दृष्टि में 573
- वैदिक ऋषि गौतम 584
- ऋषि गृत्स्मद की दृष्टि 591
- श्री गंगा भागीरथी 595
- श्री हनुमान जी का स्वरुप 606
- योगवासिष्ठ का 'मानस' पर प्रभाव 616
- उपसंहार —डॉ सरोज गुप्ता 625

डॉ. सरोज गुप्ता

डॉ.सरोज गुप्ता एम.ए.हिंदी साहित्य,बी.एड.-बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी (उ.प्र.) तथा पी.एच.डी. डॉ. भगीरथ मिश्र के निर्देशन में डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि. सागर (म.प्र.) । म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग में 31 वर्षो का अध्यापन अनुभव । आपने एन.एस.एस. व एन.सी.सी. अधिकारी के रुप में विगत वर्षो में दायित्व निर्वहन किया । आपके द्वारा माइनर व मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट वि.वि. अनुदान आयोग द्वारा पूर्ण किये गये । आपने राष्ट्रीय, अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार, वेबीनार में संयोजक की भूमिका निर्वहन की है । आपके निर्देशन में 11 छात्र पीएच-डी की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। आपने पत्रिकाओं का संपादन कार्य भी किया । प्रकाशित कार्य-काव्य संग्रह-कालचक्र, शब्दकोश संकलन-'वृहद प्रामाणिक बुन्देली शब्दकोश'-प्रकाशक-उत्तरप्रदेश भाषा संस्थान लखनऊ, समीक्षा पुस्तकें 'सियारामशरण गुप्त के साहित्य में समाज और संस्कृति', 'बुन्देली धरती सर्जना और सृजन', 'लोक जीवन में बुन्देलखण्ड', 'बुन्देली संस्कृति और प्रमुख कवि', 'सृजन और समीक्षा', 'सृजन के आलोक में', 'मूल्य संचेतनाः विविध आयाम'आदि । आपने स्मृति ग्रन्थ- 'उदारचेता मनस्वीः श्री बुद्धिप्रकाश सरावगी' तथा अभिनन्दन ग्रन्थ 'अपनों के वातायन से: डॉ. जे. पी. एन. पाण्डेय', 'संस्मरणों को जिसने वरा हैः डॉ. कांति कुमार जैन', 'सत्य से साक्षात्कार के कविः निर्मल चन्द निर्मल', 'बुन्देल विभूतिः डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त बरसैंया', 'जहाँ शब्द उत्सव हैं: श्याम सुन्दर दुबे प्रकाशित हैं । आपके द्वारा संपादित एवं संकलित पुस्तकें 34 से अधिक हैं। आपको समय-समय पर राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया जा चुका है जिनमें कुछ सम्मान झाँसी महोत्सव 1997, रिसर्च लिंक सम्मान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग,मैत्री पुरस्कार आत्मीय विद्वत सम्मान, भारतीय भाषा सम्मेलन, भारतीय भाषा परिषद उज्जैन, महादेवी स्मृति सम्मान प्रयाग, राष्ट्र सेवा नेशनल अवार्ड सागर, सरस्वती श्री-नेशनल अवार्ड, हिन्दी भाषा भूषण -साहित्य मंडल श्री नाथद्वारा राजस्थान, विशिष्ट हिन्दी सेवी सम्मान दिल्ली, स्वामी विवेकानंद सम्मान सागर, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी सम्मान-हिन्दी साहित्य सम्मेलन, सागर, राव बहादुर सिंह बुंदेला सम्मान बसारी, हिन्दी सेवी सम्मान जेएमडी पब्लिकेशंस दिल्ली, साहित्य गौरव सम्मान दिल्ली, राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान इलाहाबाद, बुंदेलखंड कनेक्ट लिटरेरी सम्मान, महिमा साहित्य रत्न, छत्तीसगढ़, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त सम्मान, सागर, बुंदेली साहित्य अलंकरण सागर, आशा देवी सुराणा राष्ट्रीय साहित्यांचल सम्मान भीलवाड़ा राजस्थान, गहोई एकता क्लब-ग्वालियर, बैंक ऑफ इंडिया प्रशस्ति पत्र सागर, यत्नं कुर्यादनुत्तमम् सम्मान सागर, श्री घनश्यामदास सक्सेना स्मृति पुरस्कार भोपाल, अरूणिमा स्मृति सम्मान लखीमपुर खीरी , श्रीमती रमादेवी अवस्थी सम्मान भोपाल आदि । वर्तमान में आप पं. दीनदयाल उपाध्याय शासकीय स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय सागर मध्य प्रदेश में हिन्दी विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

सम्प्रति : अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, पं. दीनदयाल उपाध्याय, शासकीय स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश)

सम्पर्क : सीमा कॉलोनी, स्नेह नगर, मधुकरशाह वार्ड, सागर (म. प्र.)

दूरभाष : 7000696501, मोबाइल-9425693570

ई मेल : sarojgupta1234@gmail.com

प्रकाशक की कलम से ...

मूल्य 1000/-

ISBN 978-93-90143-45-0

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स

बी -508 गली नं. 17,विजय पार्क,दिल्ली -110053

मो.08527460252,9990236819

ई मेल : jtspublications@gmail.com

Scanned with OKEN Scanner